वित्तीय समावेश हेतु शिक्षा अभियान

बैंकिंग सुविधाएं
एवं
उनके लाभ

भारतीय रिजर्व बैंक के आद्यतन दिशानिर्देश

द्वारा जनहित में जारी

भारतीय स्टेट बैंक

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति

उत्तराखण्ड आंचलिक कार्यालय

1, न्यू कैण्ट रोड, देहरादून

क्या हम जैसे गरीब किसान, कारीगर, भूमिहिन लोग बचत कर सकते हैं ?

क्यों नहीं, यह मत समझिए कि सिर्फ अमीर लोग या वे लोग जो आप से ज्यादा कमाते हैं, वही बचत कर सकते हैं। बचत केवल आपकी कमाई ही नहीं बल्कि खर्चे पर भी निर्भर करता है। जितना कम खर्चा उतना ज्यादा बचत। लेकिन बचत तभी संभव है जब आप अपने प्रत्येक घर खर्च का लेखा–जोखा (बजट) बनाएं।

अब यह बजट या लेखा जोखा क्या है ?

बजट बनाना कोई मुश्किल चीज नहीं है। जाने–अनजाने में हम सब यह करते हैं। क्या आप हर महीने अपनी आमदनी और खर्चों का हिसाब नहीं लगाते हैं ? इसके अलावा क्या आप हर महीने कुछ पैसे अलग नहीं रखते हैं जो किसी विपदा अथवा परेशानी के वक्त काम आ सके। बस, यही सब बजट है। इस तरह के लेखा–जोखा से कुछ निर्णय लेने में भी सुविधा होती है।

कैसे निर्णय ? जरा विस्तार से बजट के फायदे तो समझाइए।

बजट से मुख्यतः दो फायदे हैं :

अगर खर्चे आमदनी से ज्यादा हैं तो कुछ खर्चों को कम किया जा सकता है या इन्हें आगे के लिए टाला जा सकता है। बजट पहले से बना हो तो आपको अनावश्यक उधार लेने की जरूरत नहीं होगी और

अगर आमदनी ज्यादा है तो आप बचत कर सकते हैं या फिर कोई पुराना कर्जा चुका/वापस कर सकते हैं।

चलो मैंने आपके कहने पर एक लेखा–जोखा बना लिया। पर मैं बचत क्यों करूं ?

जरा सोचो, अगर बूढ़े मां–बाप बीमार पड़ जाएं तो आप इलाज कैसे कराएंगे ? उधार लेकर या फिर बचाए हुए पैसों से। हमें तो लगता है कि आप बचत के पैसों को ही इस्तेमाल करेंगे। तो अब बताइए कि आप बचत क्यों नहीं करेंगे ?

क्या बचत के और भी फायदे हैं ?

बजट के ढेर सारे फायदे हैं जैसे कि

1. बचत के पैसों का इस्तेमाल आप बड़े खर्चों के वक्त कर सकते हैं। बड़े खर्चे जैसे : बच्चों की शादी, मकान या जमीन खरीदना, बच्चों की पढ़ाई–लिखाई, अपना कारोबार शुरू करना या बढ़ाने के वक्त, आपके अपने बुढ़ापे के लिए और किसी भी विपदा से निपटने के लिए।
2. इसके अलावा बचत आपको उधार से बचाता है और सबसे बड़ी बात, बचत से स्वयं को सुरक्षा मिलती है।

3. आप सिर उठा कर जी सकते हैं क्योंकि आपके पास बचाए हुए अपने पैसे हैं।

बचत तो मैं भी कर सकता हूं – यह तो समझ में आ गया। लेकिन गाढ़ी मेहनत की कमाई के पैसे बचाकर कहां रखूं ?

यह हमेशा ध्यान रखें कि पैसे ऐसी जगह रखें जहां :–

1. पैसे सुरक्षित हों।
2. जब जरूरत हो, तुरन्त मिल सके और
3. बचाए हुए पैसे से और पैसे कमाएं जाएं अर्थात् ब्याज मिले।

ये तीनों सुविधाएं आपको आसानी से बैंक के खाते में ही मिल सकती है।

बैंक खाते में जमा करने के लिए बहुत पैसों की जरूरत है ?

नहीं भाई! यह गलत आलोचना है।

बैंक में ही खाता क्यों खोलें ? कहीं और क्यों नहीं ?

मैं आपको इसके सात कारण बताता हूं कि बैंक में ही खाता क्यों खोला जाए। उसके बाद आप स्वयं निर्णय लें।

1. बैंक में आपका पैसा सुरक्षित है।
2. बैंक में जमा पैसों पर ब्याज मिलता है।
3. आप आवश्यकता के अनुसार पैसे छोटी अवधि के लिए या लंबी अवधि के लिए जमा कर सकते हैं।
4. अपनी क्षमता के अनुसार आप बचत कर सकते हैं।
5. बचत खाता खुलने के बाद अन्य सुविधाओं के लिए दरवाजे खुल जाते हैं। आप बैंक से उधार ले सकते हैं और सबसे बड़ी बात, आप गर्व से कह सकते हैं आपके पास बचत खाता है।
6. रिज़र्व बैंक सभी बैंक खाताधारकों के हित का बराबर ध्यान रखता है। इसके अलावा सभी बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित हैं।
7. बैंक में जमा खाता खोले जाने के बाद एक लाख तक के बचाए हुए पैसे बीमा योजना के तहत सुरक्षित हैं।

लेकिन क्या मैं बैंक में खाता खोल सकता हूं ?

क्यों नहीं, बैंकों में कम से कम रकम से बचत खाता खोलने का निर्देश दिया गया है। ऐसे बचत खाते को "नो फ्रिल खाता" कहा जाता है। यह खाता अति गरीब वर्ग के लोगों के लिए ही है।

अरे भाई यह तो आपने अच्छी बात बताई। ये नो फ्रिल खाता के बारे में कुछ और बताइये।

1. यह एक प्रकार का बचत खाता जो शून्य या न्यूनतम राशि से खोला जाता है।
2. इस खाते में सीमित संख्या में जमा एवं पैसा निकालने की सुविधा है।
3. और सबसे बड़ी बात, सरल ग्राहक पहचान प्रक्रिया।
4. तथा वह सभी फायदे जो एक साधारण बचत खाते में मिलते हैं।

अच्छा तो अब यह बताएं कि बचत खाते के क्या फायदे हैं ?

1. पहली बात, ऐसा बचत खाता बिना कोई रकम जमा किए या कम से कम रकम से खोता जा सकता है।
2. खाते में जमा रकम पर 3.50 रूपए प्रति सैकड़ा प्रति वर्ष ब्याज मिलता है।
3. पासबुक एवं नामांकन की सुविधा उपलब्ध है।
4. बचत खाते में जमा या उसमें से निकाली गई रकम का ब्योरा भी दर्ज रहता है। बचत खाते के लिए जारी पासबुक, खाते के लेनदेन के ब्यौरे किसी विवाद में अदालत में बतौर सबूत भी पेश किए जा सकते हैं।
5. कई बैंकों में बचत खाता खोलने वाले के लिए दुर्घटना बीमा भी उपलब्ध हो जाती है।

तो क्या बैंकों में सिर्फ यही दो प्रकार के बचत खाते होते हैं।

नहीं भाई, बैंकों में बचत खातों के अलावा कई प्रकार के खाते होते हैं जैसे मियादी खाते, आवर्ती जमा खाते, आदि।

लेकिन बैंक से लेनदेन के लिए काफी लिखा–पढ़ी की जरूरत होती है। बहुत झमेला होता है।

देखिए, ये सभी बातें सही नहीं हैं। केवल शुरू में बचत खाता खोलने वालों की सही पहचान व निवास के बारे में बैंक को जानकारी मालूम करनी होती है। मान लीजिए कि आप रामप्रसाद हैं तो बैंक को विश्वास दिलाना पड़ेगा कि आप ही रामप्रसाद हैं। यह प्रक्रिया निम्न दस्तावेजों से हो सकता है :

– निवास का पता राशनकार्ड या पंचायत के पत्र से मालूम किया जा सकता है।
– इन सब जानकारियों के बाद बैंक से लेनदेन करना आसान हो जाता है।
– बैंक से कर्जा लेने के वक्त कुछ मामूली दस्तावेजों को भरना होता है।
– आपकी पहचान के लिए गाड़ी का लाइसेंस या मतदाता पहचान पत्र ही काफी है।

अच्छा यह बताइए कि मैं बैंक से कर्जा क्यों लूं जबकि परिचित निजी पार्टी बिना लिखा–पढ़ी व कोई सवाल किए बिना ही कर्जा दे देता है ?

मैं आपको पांच कारण बताता हूं कि बैंक से कर्जा निजी पार्टी के कर्जे से बेहतर क्यों होता है ?

1. निजी पार्टी से कर्ज बैंक के कर्जे से महंगा होता है। क्योंकि निजी पार्टी ऊंचे दर पर ब्याज लेता है जबकि बैंक कम दर पर ब्याज और घटती कर्जा की रकम पर ब्याज लेता है।
2. बैंक व्यवसाय की जरूरत के अलावा घर की जरूरतों के लिए भी कर्ज देता है।
3. बैंक कुछ कर्ज बिना जमीन–जायदाद और गारंटी के देता है।
4. बैंक खाता–धारकों को दिए गए कर्जे को फायदेमंद काम में लगाने की मुफ्त सलाह देता है।
5. बैंक सिर्फ कर्ज ही नहीं देता है बल्कि कर्ज लेने वाले व्यक्ति में उद्योगोन्मुखी क्षमता विकसित करने में भी सहायता प्रदान करता है।

बैंक से मुझे क्या–क्या सुविधाएं मिल सकती हैं ?

बैंक अपने ग्राहकों को अनेक तरह की सुविधाएं प्रदान करता है जैसे :

– रकम जमा करना
– कर्जा देना
– बीमा–सुविधा उपलब्ध कराना
– कर्जे से संबधित राय–मशविरा देना आदि।

अपनी आवश्यकता के अनुसार खाताधारक किसी भी नजदीक की बैंक शाखा में वांछित सुविधाओं की जानकारी ले सकता है।

मैंने किसान क्रेडिट कार्ड के बारे में बहुत कुछ सुना है। यह क्या होता है ?

किसान क्रेडिट कार्ड एक ऋण सुविधा है। यह योजना उन सभी किसान भाइयों के लिए है जिनके पास खेती योग्य जमीन है। आपको यह ऋण :

1. खेती और उससे संबंधित खर्चों के लिए मिल सकता है।
2. तीन लाख रुपए तक का कर्ज सात रुपए प्रति सैकड़ा वार्षिक दर पर मिल सकता है।
3. पचास हजार रुपये तक का कर्ज कोई जमीन गिरवी रखे बिना ही मिल सकता है।
4. फसल बीमा भी उपलब्ध है।
5. किसान क्रेडिट कार्ड धारक को कम से कम किश्त पर दुर्घटना बीमा की सुविधा भी मिलती है।

किसान क्रेडिट कार्ड के बारे में सुनकर तो अच्छा लगा लेकिन क्या इसी तरह की कोई और भी योजना है ?

हां, ठीक इसी तरह सामान्य उद्देश्य वाले क्रेडिट कार्ड भी हैं।

1. यह योजना भूमिहीन ग्रामीण लोगों के लिए है।

2. सामान्य आवश्यकताओं के लिए पच्चीस हजार तक का कर्ज मिल सकता है।
3. बैंक कोई भी जमीन–जायदाद की गिरवी या जमानत नहीं मांगता है।
4. इस योजना में एक और फायदा है। जितना कर्ज चुका दिया उतना आप फिर से कर्ज ले सकते हैं।

क्या यह जरूरी है कि जमीन–जायदाद के दस्तावेज जमा/गिरवी रखने पर ही बैंक से कर्ज मिलता है ?

नहीं भाई! कई तरह के कर्ज जैसे सामान्य क्रेडिट कार्ड, डी.आर.आई. के अंतर्गत कर्ज और खेती हेतु पचास हजार तक का कर्ज बिना किसी जमानत और गिरवी के मिल सकता है।

पर मैंने तो निजी पार्टी से कर्जा ले रखा है। अब उसे कैसे चुकाऊं ? क्या इसमें बैंक कुछ मदद कर सकता है ?

हां, बैंक बिल्कुल आपकी मदद करेगा। बैंक की योजना के अनुसार शहरी गरीब लोगों को प्रतिभूति जमा करने के बाद कर्जा मिल सकता है।

छोटे व सीमांत (मार्जिनल) किसानों के लिए दी जाने वाली ऋण सुविधाएं क्या हैं ?

समाज के कमजोर वर्ग जैसे कि छोटे व सीमांत (मार्जिनल) किसान, भूमिहीन मजदूर, बटाई पर खेती व फसल पैदा करने वाले किसान इस योजना के अंतर्गत आते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा ऐसे लोगों को खेती के लिए जमीन खरीदना, सामान्य घरेलू जरूरतों के लिए कर्ज देने के लिए निर्देश दिया गया है। इसके अलावा पचास हजार तक का कर्जा, किसान क्रेडिट कार्ड में मिल सकता है।

अगर मैं किसान नहीं हूं लेकिन खुद कोई रोजगार करना चाहता हूं तो क्या बैंक मुझे कर्जा नहीं देगा?

बैंक आपको भी कर्ज देगा। आप जैसे स्वरोजगारी लोगों को भी बैंक कर्ज देता है। कर्ज प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी, मूलभूत ढांचा एवं सामान बेचने आदि कार्यों के लिए भी दिया जाता है।

बीमा क्या होता है ?

बीमा भविष्य में आने वाली कठिनाइयों या आपदाओं का सामना करने का तरीका है। इसके तीन फायदे हैं :

1. नियमित रूप से छोटी–छोटी रकम भुगतान करते रहने से कठिनाइयों का सामना करने के लिए पर्याप्त धनराशि आपके पास मौजूद रहती है।

2. बीमा न कराए जाने पर आपातकालीन जरूरतों हेतु बहुत अधिक ब्याज दर पर कर्ज लेना पड़ जाता है। बाद में जिसकी अदायगी करना बहुत मुश्किल होता है।
3. बीमा स्वाभाविक या दुर्घटनावश मृत्यु होने, विधवा होने, अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराने एवं फसल, जायदाद आदि के लिए किया जाता है।

क्या फसल बरबाद हो जाने पर दूसरा कर्जा मिल सकता है ?

अगर आपने फसल की बीमा कराया है तो दूसरे कर्जे की जरूरत ही नहीं है। इसीलिए फसल का बीमा अतिआवश्यक है क्योंकि यह आपको दोबारा कर्जा लेने से बचाता है।

क्या जाति, धर्म या लिंग के आधार पर बैंक सेवा में भेदभाव रखा जाता है?

नहीं, ऐसा कोई भेदभाव नहीं रखा जाता है।

1. फिर भी समाज के अत्यंत गरीब लोगों की तरक्की के लिए कर्ज देने में कुछ रियायत दी जाती है।
2. इसके अलावा महिलाओं की तरक्की के लिए कुछ विशेष योजनाओं के अंतर्गत रियायत दी जाती है।

मैंने स्वयं सहायता समूह के बारे में कुछ सुना है। जरा विस्तार से उसके बारे में बताइये।

1. महिला और पुरूष द्वारा स्वयं सहायता समूह का गठन होता है।
2. समूह में सदस्यों की संख्या अधिकतम 20 होता है।
3. समूह द्वारा पदाधिकारियों का चयन होता है।
4. सदस्यों द्वारा निर्धारित निश्चित धनराशि द्वारा अल्प बचत कोष का निर्माण।
5. छः माह के पश्चात बैंक द्वारा समूह को ऋण सुविधा उपलब्ध होता है।

यदि मुझे बैंक से कुछ शिकायत है तो मुझे क्या करना चाहिए ?

ग्राहकों की शिकायतें सुनने व उनके निपटारे के लिए बैंकों में पूरी व्यवस्था मौजूद है। अगर आपको किसी प्रकार की शिकायत है तो :

– शाखा प्रबंधक या
– शाखा नियंत्रक से मिलें।

इसके अतिरिक्त उस बैंक के मुख्य कार्यालय में स्थित अधिकारी को लिख सकते हैं। अगर फिर भी सुनवाई नहीं होती तो भारतीय रिज़र्व बैंक के ग्राहक सेवा विभाग, मुंबई को लिख सकते हैं। बैंकिंग लोकपाल, भारतीय रिज़र्व बैंक, कानपुर से भी शिकायत कर सकते हैं। यह सारी प्रक्रिया बहुत आसान एवं निःशुल्क है।

लेकिन हमसे यह सब क्यों पूछा जा रहा है ?

क्योंकि हमें विश्वास है कि आप हमेशा तलाशते हैं

आर्थिक सुरक्षा

स्वयं आपके लिए, आपके परिवार एवं आपकी आने वाली संतान के लिए

आइए हमसे हाथ मिलाएं -- हमारी मदद करें ताकि हम आपकी मदद कर सकें।

बजट करने से बचत का रास्ता निकलता है।

बचत कल की आकस्मिक आपदाओं को सम्भालती है।

बैंक में बचत करने से आपको रक्षण मिलेगा, गर्व महसूस होगा और

एक पहचान पाएंगे।

बैंकिंग अनुभव से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और

आपके उद्योगोन्मुखी क्षमता का विकास होगा।

तो आइये और समझिये वित्त का मामला होता क्या है।

अतः कृपया अभी से सोचें

- हम अपने खर्चों को कैसे कम करें ?
- जब हमारे पास अतिरिक्त पैसा हो तो हम क्या करें ?
- जब हमारे पास पैसों की कमी हो तो हम क्या करें ?
- हम कैसे और कहां बचत कर रहे हैं ?
- हम कैसे और कहां से उधार ले रहे हैं ?
- हम ऋणों के इस्तेमाल में सुधार कैसे लाएं कि यह सस्ता और चुकाना भी आसान हो ?
- भविष्य में हमें किन बड़े–बड़े खतरों का सामना करना है ?
- इन खतरों से बचने के लिए हमारे पास क्या रास्ते हैं ?

याद रखें

- जो कुछ आपने कमाया उससे आप क्या–क्या करते हैं यह आपको समृद्धशाली बनाता है न कि आपकी कमाई।

- बचत विपत्तियों और गरीबी से बचाती है।

- बचत सुखदाई आदत है जबकि कर्ज दुखदाई।

- एक–एक पैसा बचाना उसे कमाने से ज्यादा मूल्यवान है।